RNI No. : DELBIL/2005/15122 D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-15 अंक 8 जुलाई 2019 विक्रमी सं. 2076 मूल्य : एक रुपया

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की कार्यकारिणी समिति की बैठक

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक 24 जून से 25 जून 2019 को गोवर्धन लाल त्रेहन सरस्वती बाल मंदिर, नेहरु नगर, नई दिल्ली के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक संस्थान के अध्यक्ष मा० दूसी रामकृष्ण राव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

दीप प्रज्वलन एवं वंदना के पश्चात् अखिल भारतीय कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारियों का परिचय संस्थान के महामंत्री मान. श्रीराम जी आरावकर ने कराया। इसके पश्चात् उनके द्वारा 6 से 8 फरवरी 2019 को कुरुक्षेत्र में सम्पन्न कार्यकारिणी समिति की कार्यवाही का वाचन किया गया, जिसकी पुष्टि सर्वसम्मति से ऊँ की ध्वनि के साथ की गई।

संस्थान के संगठन मंत्री मान. काशीपति जी ने इस दो दिवसीय बैठक की भूमिका प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि बैठक की कार्यसूची में जो विषय हैं, वे अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। इसके लिए 2019 से 2022 तक की कार्यविस्तार एवं सुदृढ़ीकरण की योजना हमें बनानी है। जिला केन्द्र मजबूत बनें, यह अत्यन्त आवश्यक है। विगत वर्षों में जिला केन्द्रों पर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने प्रवास किया है। आगामी तीन वर्षों तक सभी प्रांतों में दो या तीन स्थानों पर जिला केन्द्र के कार्यकर्ताओं को बुलाकर उनकी बैठक करने की योजना बनी है। इस बैठक में नई शिक्षा नीति पर एक पृथक् से सत्र रखकर चर्चा की गई।

गुरूनानक देव जी के 550 वें प्रकाशोत्सव, जलियाँवाला बाग के भीषण हत्याकाण्ड के 100 वर्ष, आजाद हिन्द सरकार की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने तथा कारगिल विजय के 20 वर्ष की पूर्ति का यह वर्ष है। ये चारों घटनाएँ इतिहास में अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान रखती हैं। आप सभी से आग्रह है कि अपने सभी विद्यालयों में इनकी स्मृति को जागृत करने के लिए कार्यक्रम करने की योजना बनाएँ। इन कार्यक्रमों को समाजोन्मुखी बनाने हेतु समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। अपने विद्यालय उपक्रमशील बनें, इसका भी हमें प्रयत्न करना होगा।

अगले सत्र में संस्कृति शिक्षा संस्थान की कार्यवाही हुई जिसमें नए अध्यक्ष के निर्वाचन एवं कार्यकारिणी गठन के कार्य हुए। संस्कृति शिक्षा संस्थान से प्रकाशित तीन नवीन पुस्तकों 1 'कथा जलियाँवाला बाग की', 2 'आजाद हिन्द सरकार', 3 'नानक नाम जहाज, चढ़ै सो उतरै पार' का विमोचन मा० अध्यक्ष महोदय ने किया। संस्थान के सचिव श्री अवनीश भटनागर ने संस्कृति शिक्षा संस्थान के द्वारा संचालित संस्कृति ज्ञान परीक्षा के सम्बन्ध में तथा आगामी संस्कृति महोत्सव दिनांक 10 से 12 नवम्बर 2019 को कुरुक्षेत्र में आयोजित होने की जानकारी दी।

तत्पश्चात् श्री शिवकुमार जी मंत्री, विद्या भारती ने अटल टिकरिंग लैब के बारे में विषय को प्रस्तुत किया तथा आगे की योजना की जानकारी भी दी। अभी तक अपने लगभग 1200 विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब की स्वीकृति मिली है। सभी प्रयोगशालाएँ अधिकतम गुणवत्ता के साथ संचालित हो तथा उनका उपयोग अन्य विद्यालयों के छात्र-छात्रा भी करें, यह इस योजना की अपेक्षा है।

मा० दत्तोपंत ठेंगड़ी जी के शताब्दी वर्ष के बारे में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष का उद्घाटन 10 नवम्बर 2019 को नागपुर में होगा तथा समापन 10 नवम्बर 2020 को दिल्ली में होगा। इसकी योजना 12 संगठन मिलकर बनाएँगे। इसके लिए हर प्रांत में आर्थिक विषय की एक टोली बनाई जाएगी।

मा० यतीन्द्र शर्मा जी (सह संगठन मंत्री, विद्या भारती) ने विद्यालय केन्द्रित कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए इस बात का

आग्रह किया कि केन्द्र/क्षेत्र या प्रांतों की ओर से विद्यालयों पर बड़े कार्यक्रम सौंपने के स्थान पर हम केवल दिशा दें तथा स्थानीय परिस्थितिनुसार विद्यालय ही कार्यक्रमों का आयोजन करें।

पूर्व निर्धारित योजनानुसार मानव संसाधन विकास मंत्री मा० श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी का आगमन हुआ। मंत्री महोदय ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं बहुत ही आनन्दित हूँ कि मुझे आज अपने परिवार के बीच आने का अवसर प्राप्त हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा की प्रगति के लिए 1000 करोड़ रुपये की राशि के बजट योजना है। पूरे देश में उच्च शिक्षा में अभी तीन लाख पद रिक्त हैं। युद्ध स्तर पर इनको भरना यह हमारी पहली प्राथमिकता है। नई शिक्षा नीति जल्द लागू होगी, विद्या भारती द्वारा दिए गए सुझावों को भी हम सम्मिलित करने का प्रयास करेंगे।

समापन सत्र में रा.स्वं.संघ के सह सरकार्यवाह मान. दत्तात्रेय जी होसबले ने अपने उद्‌बोधन में समन्वय के सूत्रों का उल्लेख करते हुए ध्यान दिलाया कि कार्य करते समय हमें सभी के साथ समन्वय बिठाना चाहिए। अपने संगठन में समन्वय, शिक्षा समूह के संगठनों में समन्वय, शासन के साथ समन्वय व संघ के साथ समन्वय सभी आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि अपने संगठन में अनुभवी कार्यकर्ताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। हमारा काम काफी बढ़ा है। परन्तु विद्या भारती के नाम की पहचान (ब्रांडिंग) नहीं है। आज का युग पहचान का युग है। ब्रांडिंग शब्द का प्रयोग व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक होता है, परंतु आज इस शब्द का प्रयोग सभी क्षेत्रों में बढ़ता जा रहा है। इस हेतु हम सभी को कोई योजना बनानी चाहिए। हमारे विद्यालयों के द्वार पर, भवन पर विद्या भारती का विद्यालय (Vidya Bharti School) लिखवाया जा सकता है। सभी विद्यार्थियों को प्रवेश के समय विद्या भारती के परिचय की एक-एक पुस्तिका भेंट में दी जा सकती है।

अपने प्रचार विभाग के लिए उन्होंने कहा कि हमारे प्रचार विभाग को भी और सक्रिय करने की आवश्यकता है। इसके लिए वर्ष में एक बार बड़े नगरों में पत्रकार वार्ताएँ आयोजित की जा सकती हैं। वनवासी क्षेत्र में हमारे कारण शिक्षा का स्तर बढ़ा है। शिशु वाटिका का नाम धीरे-धीरे प्रचलन में आ रहा है तथा शिशु वाटिका पद्धति की स्वीकार्यता भी बढ़ रही है।

उन्होंने आगे कहा कि वन्देमातरम् का गायन हमारा वैशिष्ट्य है। हमारे परीक्षा परिणाम भी उत्तम हैं। हमारे यहाँ पढ़ने वाले छात्र संस्कारित हैं और अवसाद में भी नहीं आते हैं। आचार्यो के जीवन से छात्रों व समाज को प्रेरणा मिलती है। विद्या भारती के विद्यालयों के छात्र छुआछूत को नहीं मानते हैं। सामाजिक समरसता उनके आचरण में अभिव्यक्त होती है। यह सब काफी प्रेरक है। यह सब आगे और भी बढ़े, इसकी आवश्यकता है। ये सभी बातें हमारे सभी विद्यालयों में व सभी विद्यार्थियों में हो, इसका प्रयास होना चाहिए।

राष्ट्रीय महामंत्री श्रीराम आरावकर जी ने इस बैठक में संपूर्ण सहयोग के लिए विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमति बेला मिश्रा सहित सभी आचार्य बंधु-बहिनों, कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया। अंत में वन्देमातरम् के सामूहिक गान के साथ बैठक समाप्त हुई।

आदर्श कर्मयोगी थे माननीय रोशनलाल सक्सेना जी-भालचन्द्र रावले

संघ के वरिष्ठ प्रचारक स्व. रोशनलाल सक्सेना जी के जीवन पर स्मारिका विमोचन

''कर्मयोगी'' स्मारिका का विमोचन विद्याभारती मध्य भारत प्रांत द्वारा आयोजित पांच दिवसीय प्रधानाचार्य अभ्यास वर्ग (शारदा विहार, भोपाल) के दौरान किया गया। इस स्मारिका में स्व. रोशनलाल जी के द्वारा उनके जीवन में किए गए कार्यों का उल्लेख है। उन्होंने मध्यप्रदेश क्षेत्र में विद्याभारती के कार्य को खड़ा करने में अथक परिश्रम किया। आज विद्याभारती का कार्य उनकी तथा उनके जैसे समर्पित कार्यकर्ताओं की तपस्या का परिणाम है।

इस अवसर पर स्व. रोशनलाल सक्सेना जी के साथ लम्बे समय तक कार्य कर चुके डॉ. प्रेम भारती ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में सरल एवं सुलझे हुए व्यक्ति थे। वे हमें हमेशा श्रेष्ठ कार्य करने को प्रेरित करते थे। वे कहा करते थे कि कार्य चुनौतीपूर्ण कितना भी क्यों न हो, लेकिन हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। निरन्तर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए।

स्व. सक्सेना जी के जीवन पर प्रकाशित इस स्मारिका 'कर्मयोगी' का प्रकाशन श्री मोहनलाल गुप्ता (कोषाध्यक्ष), श्री योगेन्द्र कुलश्रेष्ठ (निदेशक) शारदा प्रकाशन न्यास, भोपाल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर श्री अशोक पाण्डेय (सह प्रांत संघचालक), श्री भालचन्द्र रावले (क्षेत्रीय संगठनमंत्री), डॉ. प्रेमभारती (शिक्षाविद्), श्री सुरेश गुप्ता (अध्यक्ष, मध्य क्षेत्र), श्री हितानंद शर्मा (प्रांत संगठन मंत्री), श्री शिरोमणि दुबे (प्रान्तीय अध्यक्ष) आदि महानुभाव उपस्थित रहे।

निबंध प्रतियोगिता में विजयी छात्र हुए पुरस्कृत

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरूक्षेत्र (हरियाणा) के द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 2018 को आयोजित अखिल भारतीय छात्र निबन्ध प्रतियोगिता में भारती शिक्षा समिति, बिहार के अंतर्गत सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर के कक्षा एकादश के छात्र सागर शर्मा ने तरुण वर्ग में 'वर्तमान शताब्दी में भारत की प्रमुख वैज्ञानिक उपलब्धियाँ' विषय पर एवं कक्षा चतुर्थ के छात्र अंकित राज को शिशु वर्ग में 'मानवता का त्रास हरें हम' विषय पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

विदित हो कि सत्र 2018-19 में यह परीक्षा पूरे देशभर में विद्या भारती के कुल 34 प्रदेश समितियों के अन्तर्गत हजारों विद्यालय में एक साथ आयोजित की गई थी।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान अपनी संस्कृति, परम्पराओं, जीवन मूल्यों, ज्ञान-विज्ञान एवं महापुरुषों के अनुभवों को जो कि विश्व की अमूल्य निधि माने जाते हैं, को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में भावी पीढ़ी को शिक्षा के माध्यम से सौपने का प्रयास कर रहा है, जिससे आज के निराशापूर्ण वातावरण में भी आशा की किरण विद्या भारती के विद्यार्थियों में दिखाई दे रहा है। इसी के निमित्त विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का संचालन किया जाता है। उक्त कथन सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर के प्रधानाचार्य श्री नीरज कुमार कौशिक ने इस प्रतियोगिता में विद्यालय के सफल छात्रों को पुरस्कृत करते हुए प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्री नीरजकुमार कौशिक एवं उपप्रधानाचार्य श्री उज्ज्वलकिशोर सिन्हा ने विद्यालय के वंदना सभा में विजयी छात्रों को सद्साहित्य एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

विज्ञान शिक्षक आशीष कुमार हुए छात्रों के साथ सम्मानित

अच्छे कार्य करने वालों की सर्वत्र सराहना होती है। व्यक्ति अपने कार्य से ही मान-सम्मान और प्रतिष्ठा पाता है। ऐसे लोग समाज और देश के विकास में सहायक होते हैं। उक्त बातें सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर में दिनांक-28 जून 2019 को आयोजित एक सम्मान समारोह में प्रधानाचार्य श्री नीरजकुमार कौशिक ने विज्ञान शिक्षक श्री आशीष कुमार को छात्रों के सफल मार्गदर्शन करने हेतु सी.बी.एस.ई. द्वारा सम्मानित होने पर कही।

विदित हो कि सी.बी.एस.ई. द्वारा विज्ञान मेला 2019 जो जनवरी एवं फरवरी माह में क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर क्रमशः पटना एवं दिल्ली में आयोजित किया गया जिसमें शिक्षक श्री आशीष कुमार ने कचड़ा प्रबंधन की नई तकनीक पर छात्र नवनीत नयन तथा अंकेश कुमार का सफल मार्गदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाई। इस हेतु सी.बी.एस.ई. दिल्ली ने विज्ञान शिक्षक श्री आशीष कुमार को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। दिल्ली से सी.बी.एस.ई. के सचिव श्री अनुराग त्रिपाठी की उपस्थिति में दोनों छात्रों को भी सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर विद्या भारती की क्षेत्रीय बालिका शिक्षा संयोजिका श्रीमती कीर्ति रश्मि ने विज्ञान शिक्षक आशीष कुमार को अंगवस्त्र एवं श्रीफल भेंट करते हुए कहा कि आशीष कुमार एक आदर्श शिक्षक हैं।

ग्रामीण शिक्षा विकास समिति हरियाणा के आचार्यों के विकास वर्ग का हुआ समापन

ग्रामीण शिक्षा विकास समिति के तत्त्वावधान में प्रांत का 23वां आचार्य विकास वर्ग का आयोजन रिपुसूदन सिंह गीता विद्या मंदिर, बाबेन में हुआ। 16 दिवसीय (01 से 16जून 2019) इस आचार्य प्रशिक्षण वर्ग भिन्न-भिन्न क्रियाकलापों व दैनिक दिनचर्या सहित सम्पन्न हुआ।

प्रांतीय संगठन मंत्री श्री रवि कुमार जी ने वर्ग का उद्घाटन कर शिक्षार्थियों को विकास वर्ग के महत्त्व पर कहा कि आचार्य अपने आचरण से सीखता है। शिक्षक जीवन भर विद्यार्थी ही रहता है। यह वर्ग आपके सीखने के लिए है। वर्ग के पालक के नाते श्री जगन्नाथ शर्मा एवं श्री चेतराम शर्मा (मंत्री ग्रामीण शिक्षा विकास समिति) पूरे समय उपस्थित रहे। वर्ग में 13 ग्रामीण विद्यालयों से 44 आचार्या बहिनें एवं 05 आचार्य बंधुओं ने सहभागिता की। वर्ग के विभिन्न कालांशों में प्रातः स्मरण, योगाभ्यास, वंदना व दिशाबोध, शिक्षण, चर्चा, स्वाध्याय, शारीरिक व रात्रि के कार्यक्रम हुए। वर्ग में विभिन्न विषयों पर विद्या भारती के विभिन्न प्रांतीय, क्षेत्रीय व राष्ट्रीय कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वर्ग में विद्या भारती का वैचारिक अधिष्ठान, शैक्षिक चिन्तन, भारतीय शिक्षा का मनोविज्ञान, पंचपदी शिक्षण पद्धति क्रिया आधारित शिक्षण, पंचकोषीय एवं आधारभूत विषयों का क्रियान्वयन आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ग के समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री सतनाम सिंह (जिला मौलिक अधिकारी) ने कहा कि हर बच्चे में प्रतिभा छिपी होती है और शिक्षा ग्रहण करते समय ही इस प्रतिभा में निखार आने पर विद्यार्थी का भविष्य उज्ज्वल बन सकता है।

बच्चों को शिक्षा एक अध्यापक नहीं, आचार्य बनकर देनी चाहिए

- डॉ. राजेन्द्र कुमार अनायत (कुलपति)

अपने आचार्यों को प्रशिक्षित करने के लिए विद्या भारती हरियाणा के हिन्दू शिक्षा समिति ने 15 दिवसीय आचार्य विकास वर्ग का आयोजन गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में किया, इसमें 20 विद्यालयों से 98 आचार्यों की प्रतिभागिता रही। वर्ग में प्रात: से रात्रि तक शिक्षण प्रशिक्षण की सभी गतिविधियाँ जैसे योग, चर्चा, दिशाबोध, शिक्षण सत्र, शारीरिक व रात्रि के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कालांश लिए गए।

इस अवसर पर वर्ग का उद्घाटन करते हुए विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र अत्री जी ने संबोधित करते हुए कहा कि समय के साथ चलने के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। प्रशिक्षण वर्ग यानि तपस्या और तपस्या मनोभाव से सफल होती है। वर्ग में शिक्षार्थी की भूमिका में रहकर सीखना सरल एवं सहज होता है। वर्ग में उसी प्रकार का अनुशासन अपेक्षित होता है जैसा कि विद्यालय में विद्यार्थी से। प्रशिक्षण वर्ग का विशेष अभिप्राय आपस में मिलकर कार्य करने का स्वभाव, अच्छी आदतों का अभ्यास एवं कठिन बातों का सरलीकरण है। छात्रों के गुणों का निरीक्षण करके उन्हें आगे बढ़ाना प्रशिक्षण से ही संभव है।

वर्ग में श्री विजय जी (प्रांत प्रचारक रा.स्व.संघ) ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रशिक्षण शिविर में शिक्षक अध्यापन के समय अलग-अलग विषयों पर केन्द्रित ज्ञान प्राप्त करता है, जिसके बिना प्रत्येक शिक्षक का ज्ञान अधूरा रहता है। इसके लिए हर एक शिक्षण संस्थान को प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना चाहिए।

विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री श्री अवनीश जी भटनागर ने शिक्षा जगत में आ रही चुनौतियों एवं समाधान के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि आज शिक्षा क्षेत्र में ज्ञान के नए-नए विस्फोट हो रहें हैं और अनेक प्रकार की चुनौतियाँ भी खड़ी हो रही है। सरल से कठिन की ओर सीखने की प्रक्रिया जन्म से पूर्व ही प्रारंभ हो जाती है तथा जीवन पर्यन्त चलती है। शिक्षा को केवल कक्षा-कक्ष तक सीमित मान लेना ही सबसे बड़ी चुनौती है।

श्री रवि कुमार जी (संगठन मंत्री हरियाणा) ने आचार्य विकास वर्ग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अध्यापन के समय एकाग्रता बहुत जरूरी है। आचार्यों को कक्षा में विद्यार्थी की रुचि का ध्यान रखना चाहिए। विद्यार्थियों को शिक्षित करने से पूर्व शिक्षक को भी अपने आप को सजग करना होगा।

वर्ग के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राजेन्द्र कुमार अनायत- (कुलपति दीनबन्धु छोटूराम विश्वविद्यालय, सोनीपत) ने कहा कि बच्चों को शिक्षा एक अध्यापक बनकर नहीं देनी चाहिए। अध्यापक सरल है लेकिन आचार्य बनना कठिन है। अध्यापक केवल कक्षा को पढ़ाता है और आचार्य बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ आचरण व संस्कार भी सिखाता है। हमारा प्रयास यह होना चाहिए कि हम एक अच्छे आचार्य बनें। अभिभावक अपने बच्चों को एक अलग विश्वास के साथ विद्यालय भेजता है कि वहाँ बच्चों का सर्वांगीण विकास होगा। हमें उनके विश्वास पर खरा उतरकर दिखाना है। शांति मंत्र के साथ वर्ग का समापन हुआ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 पर सुझाव हेतु तथा 'नई शिक्षा नीति' के प्रारूप पर स्कूली शिक्षा से जुड़े शिक्षाविदों का हुआ विचार मंथन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 पर सुझाव हेतु तथा 'नई शिक्षा नीति' के प्रारूप पर विचार मंथन के लिए विद्या भारती मध्यभारत प्रांत ने स्कूली शिक्षा से जुड़े शिक्षाविदों की एक बैठक का आयोजन दिनांक 17 जून 2019 को सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान हर्षवर्धन नगर, भोपाल में किया।

उल्लेखनीय है कि विगत 4 वर्षों से नई शिक्षा नीति के बारे में विचार मंथन चल रहा है। अब नई सरकार के गठन के साथ ही यह फिर से चर्चा में आया है। इसके लिए भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा देश भर से विभिन्न स्तरों पर सुझाव आमंत्रित किये जा रहे हैं। इस बैठक में प्रांतो से आए शिक्षाविदों को आठ समूहों में विभक्त कर इस पर चर्चा की गई। इन समूहों में प्री-स्कूल शिक्षा, बुनियादी साक्षरता एवं अक्षर ज्ञान (कक्षा 1, 2, 3), ड्रॉप-आउट बच्चों को शिक्षा से पुन: जोड़ना, स्कूलों में शिक्षाक्रम और शिक्षणशास्त्र, शिक्षक, समतामूलक और समावेशी शिक्षा, स्कूल कॉम्पलेक्स के माध्यम से प्रभावी गवर्नेंस और कुशल संसाधन उपलब्धता तथा स्कूली शिक्षा का विनियमन आदि विषयों पर चर्चा हुई।

अंत में सभी समूहों द्वारा अपना-अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। समूहश: चर्चा में आए सुझावों को विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा भारत सरकार के शिक्षा विभाग को प्रस्तुत किए जाएँगे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. भागीरथ कुमरावत (पूर्व उपाध्यक्ष, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल) द्वारा किया गया। कुल 30 शिक्षाविदों ने इस बैठक में सहभाग किया।

इस बैठक में विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री भालचंद्र रावले, सचिव मोहन लाल गुप्ता, प्रान्त संगठन मंत्री हितानन्द शर्मा, डॉ. संजय पटवा, अश्विनी चौबे, क्षत्रवीर सिंह राठौड़, आशीष भारती, डॉ. राजश्री वैद्य, श्रीमती पिंकेशलता रघुवंशी, डॉ. रामकुमार भावसार, श्री देवकीनंदन चौरसिया, श्री राजेन्द्र सिंह परमार आदि शिक्षाविद् उपस्थित रहे।

विद्या भारती, मध्य भारत प्रांत

सरस्वतीपुरम की छात्रा ने ऐसे मनाया अपना जन्मदिन

सरस्वती शिशु मंदिर, सरस्वतीपुरम, पहाड़िया रोड, जावरा (म.प्र.) की कक्षा 12 वीं की छात्रा सुश्री अंशिका सैनी ने अपना जन्म दिवस विद्यालय परिसर में जामफल का एक पौधा लगाकर मनाया, साथ ही उसकी सुरक्षा पालन-पोषण का संकल्प भी लिया। इस छात्रा का कहना है कि सभी को पर्यावरण के प्रति जागरुक होना होगा। प्रत्येक वर्ष वर्षाकाल में प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा जरूर लगाना चाहिए, जिससे कि पर्यावरण को बचाया जा सकता है।

संस्कार के बिना शिक्षा का कोई महत्त्व नहीं :- श्री गुलाबचंद कटारिया

विद्या भारती राजस्थान के तत्त्वावधान में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा में कीर्तिमान बनाने वाले 34 भैया-बहिनों, उनके अभिभावकों तथा उनके प्रधानाचार्यों को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में सम्मानित किया गया। इस प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए विद्या भारती राजस्थान के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री शिवप्रसाद जी ने कहा कि विद्या भारती के विद्यार्थी उतरोत्तर प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं।

प्रतिभावान बच्चों एवं उनके अभिभावकों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए गोरक्षधाम, गऊ घाट, जिला बाराँ के संत श्री श्री 108 पूज्यश्री निरंजननाथ जी महाराज ने कहा कि संस्कृति, भारतीयता व राष्ट्रीयता की भावना जगाने वाले विभिन्न प्रकल्पों के संचालन के लिए मैं विद्या भारती को बधाई देता हूँ। साथ ही उन्होंने कहा कि विश्वगुरु भारत की सांस्कृतिक पहचान हेतु संस्कृत भाषा ही विकास का आधार बने।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री गुलाबचंद कटारिया (नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान विधान सभा व पूर्व गृहमंत्री राजस्थान सरकार) श्री गुलाबचंद कटारिया ने सम्मानित होने वाले भैया-बहिनों को शुभकामना देते हुए देश की संस्कृति व राष्ट्रीयता को बढ़ाने व नवनिर्माण के कार्यों के लिए विद्या भारती के योगदान की सराहना की। उन्होंने विद्या भारती को समरसता का भाव जगाने वाली समाज द्वारा पोषित व संचालित संस्था बताते हुए कहा कि बिना संस्कार के शिक्षा का कोई महत्त्व नहीं है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री श्री वासुदेव देवनानी ने नई पीढ़ी के लिए शिक्षा का महत्त्व बताते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लक्ष्य को आवश्यक बताया। विद्या भारती को एक अद्‌भुत संगठन बताते हुए नई शिक्षा नीति की नवीन विशेषताओं को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा का उपयोग स्वयं के साथ देश व समाज के लिए समर्पित करने का भाव अपनाने को कहा।

विशिष्ट अतिथि डॉ. यशु शर्मा, (सहायक लेखा नियंत्रक, ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार) ने राजस्थान बोर्ड के श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम के लिए सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों व अभिभावकों का आभार प्रकट किया। उन्होंने जीवन में आशावादी दृष्टिकोण व आत्मविश्वास का गुण अपनाकर कठिन परिश्रम करते हुए सफलता को प्राप्त करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मन के डर को जीत कर ही आगे बढ़ा जा सकता है।

बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलाधिपति डॉ. प्रकाश बरतूनिया ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्‌बोधन में प्रतिभावान विद्यार्थियों व आचार्यों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि विद्या भारती कोई ब्रांड या प्रचार संस्था नहीं अपितु एक शैक्षिक सेवा संगठन है। उन्होंने यह भी कहा कि कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता है।

विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के अध्यक्ष श्री भरतराम कुम्हार ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

भीनमाल में हुआ नवीन आचार्यों का प्रशिक्षण वर्ग

आदर्श विद्या मंदिर उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर मीनमाल में विद्या भारती के आदर्श शिक्षा संस्थान, जिला-जालोर एवं सिरोही के नवचयनित आचार्यों का नियुक्ति पूर्व प्रशिक्षण का कार्यक्रम हुआ। विद्या भारती के जिला संवाददाता हनुमान प्रसाद दवे ने बताया कि वर्ग के उद्‌घाटन में मुख्य वक्ता व विद्या भारती जोधपुर प्रांत के निरीक्षक श्री गंगाविष्णु विष्णोई ने संबोधित करते हुए कहा कि योग्य शिक्षक का गुण है विषय का विशेषज्ञ होना, विद्यार्थी का मनोविज्ञान समझना व समय पालन के प्रति निष्ठा रखना। शिक्षकों में वर्तमान समय की तकनीकी प्रौद्योगिकी की अद्यतन जानकारी व बालकों में क्रिया आधारित अधिगम करवाने का कौशल होना चाहिए।

प्रशिक्षण वर्ग के संयोजक अजय कुमार गुप्ता के अनुसार 24 जून तक चलने वाले इस प्रशिक्षण वर्ग में वंदना-अभ्यास, योगाभ्यास, सुलेख, श्रुत-लेख, व्यवस्था-कौशल, स्वच्छता, स्वास्थ्य, कक्षा-प्रबंधन, उत्सव-जयन्तियाँ, गृहकार्य की जाँच, सहशैक्षिक गतिविधियाँ, स्वदेशी-भाव, शिक्षण-कौशल, पाठ-योजना, नैतिकता, वार्षिक कार्यक्रम, शैक्षिक गुणवत्ता, शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण, अभिभावक सम्पर्क सहित अकादमिक विषयों का शिक्षण प्रशिक्षण के साथ-साथ विद्या भारती के पाँच आधारभूत विषयों का भी प्रशिक्षण दिया गया। वर्ग के पालक के रूप में क्षेत्रीय संगीत प्रमुख रमेश चन्द्र रहे।

इस आचार्य प्रशिक्षण वर्ग में क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री राधेश्याम जी ने कहा कि आज परिवारों में संस्कार की आवश्यकता है। संस्कारों के माध्यम से ही बालक का जीवन उत्तम बनता है। आज शिक्षकों का दायित्त्व है कि समाज में आई विकृतियों को मिटाने का प्रयत्न करें।

विद्या भारती जोधपुर प्रांतीय सचिव श्री महेन्द्र दवे ने कहा कि राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए शिक्षक को महर्षि चाणक्य जैसा बनना पड़ेगा। हमारे पास पढ़ने वाला शिशु श्रेष्ठ छात्र के रूप में स्थापित हो, शिक्षक को इस प्रकार की शिक्षा देनी चाहिए।

प्रधानाचार्य नरेन्द्र आचार्य ने कहा कि विद्यालय में प्रबंधन की मुख्य भूमिका होती है। विद्यालय की प्रत्येक वस्तु व व्यवहार से बालक को ज्ञान का अनुभव होता है। विद्यालय का वन्दना स्थल, खेल का मैदान, जल का स्थान सहित सभी स्वच्छ होने चाहिए। संवाददाता हनुमान प्रसाद दवे ने बताया कि इस प्रशिक्षण वर्ग में 150 नवीन आचार्यों ने भाग लिया।

लक्ष्य निर्धारित कर परिश्रम करने से मिलती है सफलता- डॉ. श्रवनकुमार मोदी

आदर्श शिक्षण संस्थान, जालोर के द्वारा जिले में संचालित आदर्श विद्या मंदिरों की 102 प्रतिभाओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन 'श्रीमती कुशल लक्ष्मीचन्द्रवर्धन आदर्श बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, भीनमाल में किया गया। इस कार्यक्रम में राजस्थान शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2018-19 में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले, जिसमें कक्षा आठवीं, दसवीं व बारहवीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बालक-बालिकाओं व उनके अभिभावकों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ विद्या भारती जोधपुर प्रांत के अध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार मोदी, प्रांत के सचिव महेन्द्र कुमार दवे, डॉ. किशनलाल जोशी, जिला संघचालक भीनमाल, सॉकलचंद संघवी प्रतिष्ठित व्यवसायी ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

डॉ. श्रवण कुमार मोदी ने संबोधित करते हुए कहा कि लगन व मेहनत के साथ अपना लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करने वाला विद्यार्थी हमेशा आगे बढ़ता है। अतः अपना लक्ष्य निर्धारित कर नियमित दिनचर्या का पालन करना चाहिए।

मुख्य वक्ता श्री महेन्द्रकुमार दवे ने कहा कि आज विद्या मंदिरों के छात्रों ने देश भर में अपने समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने आगे कहा कि विद्या मंदिरों में बालकों के सर्वांगीण विकास को केन्द्रित कर शिक्षा दी जाती है। छात्रों में श्रेष्ठ संस्कार स्थापित होना विद्या मंदिर का लक्ष्य है। क्रिया आधारित शिक्षा से प्रतिभाओं को आगे बढ़ावा देना है, जिससे समाज को नई दिशा प्राप्त हो सके।

क्षेत्रीय भौतिक विज्ञान आचार्यों की कार्यशाला का आयोजन

ज्ञान के क्षेत्र में दुनियाँ की दृष्टि भारत की ओर है। विज्ञान के एक भाग भौतिकी विषय में भी नित्य नए-नए प्रयोग हो रहे हैं। भैया-बहिनों को इससे अवगत कराएँ। नई शिक्षा नीति में आचार्य प्रशिक्षण की बात कही गई है। इस तरह की कार्यशाला से नई-नई बातों को सीखने का अवसर मिलता है। कक्षा-कक्ष में जाने से पहले स्वयं की तैयारी आवश्यक है। आचार्य स्वयं पढ़ें और भैया-बहिनों को भी नवीनतम एवं आधुनिक जानकारी दें। उक्त बातें सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर में भारती शिक्षा समिति, बिहार के तत्त्वावधान में आयोजित क्षेत्रीय उच्चतर माध्यमिक भौतिकी विज्ञान आचार्यों के कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बिहार एवं झारखंड से आए भौतिकी विषय के आचार्यों को सम्बोधित करते हुए विद्या भारती के राष्ट्रीय सहमंत्री डॉ. कमल किशोर सिन्हा ने कही।

यह कार्यक्रम दिनांक 04 से 06 जुलाई 2019 को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विषय संज्ञान कराते हुए भारती शिक्षा समिति, बिहार के सहमंत्री श्री प्रकाशचंद्र जायसवाल ने कहा कि शिक्षा ऐसी हो जो बच्चों को नई दिशा देने का कार्य करे तथा यह परिणाममूलक हो। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को सर्वप्रथम ऐसे व्यक्ति के निर्माण के बारे में सोचना चाहिए जो राष्ट्र के विकास में योगदान कर सके।

इसी कार्यक्रम के समापन अवसर पर आचार्यों को सम्बोधित करते हुए विद्या भारती उत्तर-पूर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय सचिव श्री दिलीप कुमार झा ने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा एक गतिमान प्रक्रिया है। इसके साथ ही शिक्षकों को भी अपडेट होना चाहिए। तभी यह परिणाममूलक होगी। कक्षा-कक्ष को जीवंत बनाने में श्रव्य-दृश्य माध्यमों के साथ चार्ट, मॉडल, मैप आदि के प्रयोग से विद्यार्थी का मस्तिष्क सक्रिय होता है एवं पढ़ाई में रुचि के साथ विषय की समझ भी बढ़ती है। श्री झा ने आगे बताया कि आज मोबाईल जहाँ बौद्धिक क्षमता के विकास में सहायक है वहीं बच्चों के स्टडी आवर को घटाने में भी जिम्मेवार है। इसका कम से कम प्रयोग करें। उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया एवं कहा कि वृक्ष पर्यावरण को संतुलित बनाने में सहायक है। इसके लिए समाज के लोगों को भी प्रेरित करें।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में निर्मल कुमार जालान ने कहा कि आचार्य अपने ज्ञान का संवर्धन करें एवं बच्चों को नित्य-नूतन प्रयोगों से अवगत कराएँ। इस अवसर पर क्षेत्रीय बालिका शिक्षा संयोजिका श्रीमती कीर्ति रश्मि भी उपस्थित रहीं।

इस कार्यशाला में शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण, प्रयोगात्मक प्रदर्शन, भौतिकी विषय के कार्यक्षेत्र, क्रियाकलाप तथा अन्यान्य योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ विशिष्ट कक्षा (मॉडल क्लास) भी लगाया गया। प्रतिभागी आचार्यों ने अपने विषय से संबंधित जिज्ञासा समाधान में भी भाग लिया।

'खुशी को मिली खुशी'

खुशी एवं उनके परिजनों को तब विशेष खुशी मिली जब उसे यह ज्ञात हुआ कि खुशी ने विद्या भारती हरियाणा द्वारा आयोजित प्रांत स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में उसे प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर गीता विद्या मंदिर वरिष्ट माध्यमिक आवासीय विद्यालय के प्राचार्य श्री नारायण सिंह ने खुशी को पुरस्कृत करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को सभी प्रतियोगी गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए। इससे विद्यार्थियों का मानसिक व बौद्धिक अस्तर विकसित होता है। शिक्षकों ने खुशी की इस सफलता के लिए बधाई देते हुए। भविष्य में हमेशा मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

"Classroom is where the Nation's future beholds" – Sudhakar Reddy

Telangana & Andhra Pradesh Poorva Chhatra Sammelan organised in Bengaluru Alumni of Sarswati Shishu Mandir schools of Telugu states (Telagana & Andhra Pradesh) who have settled in Bengaluru, got together on the special occasion of Sneha Milan Samaroh, at Jaigopal Garodiya Rashtrothana Vidyalaya, Kalyana Nagar, Bengaluru at 29th June 2019.

The Programme began by lighting earthen lamps infront of "Bharat Maata Murtee" by guests and Acharyas of Sarswati Shishu Mandirs – Sri Lingam Sudhakar Reddy garu, Sri Ravula Suryanarayna garu, Sri Kotamraju garu, Sri Patakamuri Sriniwasarao garu, Sri Hanumantha Rao garu, Sri Narsimhulu garu and Sri Harismaran Reddy garu. This was followed by Sarswati Vandana.

Nearly 130 ex-students and 20 children of their families, belonging to many districts of Telangana and Andhra Pradesh regions assembled reminiscing the value based education that they received from their revered Acharyas which helped them immensely in succeeding in their life pursuits. Many of them are presently working as executives and leadership roles in top notch companies. Each ex-student got an opportunity to express his/her opinion regarding the formative education that they received during their school days.

Addressing the alumni gathering, the keynote speaker Sri Lingam Sudhakar Reddy garu (Organising Secretary, Vidya Bharti Dakshin Madhya kshetra) said, "Classroom is where the Nation's future beholds". While observing about the present education system, Sri Sudhakar lamented that it is producing excellent doctors, engineers, lawyers, scientists, entrepreneurs, teachers and many more professionals but are they equipped to uphold human values and ethics, he questioned.

He added, on the other side, the parents are anguished when their child scores 5 marks less in Mathematics or Science or any subjects, but do not bother about child's behaviour towards their elders, be it parents, grandparents or other elders. What must alarm the parents is the child's behavior, than the 5 marks in regular subjects, because child can aquire many degrees but discipline and certain behavioral aspects can be corrected only in the formative years. The present schooling system does not provide the Samskar for children. It is the parent's duty to take care of child's overall development in their hectic schedule. Quoting Swami Vivekananda, "We want that education by which character is formed, strength of mind is increased, the intellect is expanded". Sri Sudhakar garu said, Sarswati Shishu Mandirs all over Bharat continues to stride in that path.

It was also informed that Sarswati Shishu Mandirs will be having its national Alumni meet at Sri Vidyapeetham, Bandlaguram, Hyderabad Bhagyanagar. on 29th December 2019. The alumni will be fortunate to listen to Rashtriya Swayamsewak Sangh's Sarsanghchalak Sri Mohanji Bhagwat who will be the key note speaker on the occasion.

The President of the Shishu Mandir Ex-student Association (Telangana & Andhra regions Poorva Vidyarthi Parishad) Sri Harismaran Reddy garu proudly cited many examples of our ex-student's contributions be it resources, monetary and their valuable time in helping our Shishu Mandir schools and encouraged ex-students to take small initiatives in strengthening value-based education for Sarswati Shishu Mandirs. Inspired by these speeches and initiatives by the school, many ex-students volunteered their time and resources.

Finally Sri Jagan Mohan presented vote of thanks to one and all for the success of the programme. Concluding the programme, Sri Girish Mandyala rendered Shanti-Mantra and Bharat Mata ki Jai.

Anirban Dutta Brings Laurel To His Alma Mater

Anirban Dutta, a student of B.L. Beria Saraswati Shishu Mandir, DIBRUGARH run by Vidya Bharati has brought glory to the institution by securing 10th position in the matric examination 2019, conducted by Board of Secondary Education, ASSAM. He is one of the district toppers also.

Anirban scored 583 out of 600 marks. His percentage was 97.17. He scored 100% in General Mathematics, Advanced Mathematics and Social Science. A very sincere student throughout his school life, he could make it possible by dint of his hardwork and perseverence. When asked about his achievement, he mentioned constant support and guidance from his parents and Acharyas of his school. Their inspiration and encouragement helped him to reach his goal.

Anirban was felicitated by Dr. Srishtidhar Dutta, former dean of Rajeev Gandhi Central University, Arunachal Pradesh.

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 July, 2019
Total No. of Pages : 8

RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21
Date of Posting -24-25 July, 2019

भीनमाल के पूर्व छात्रों ने मुम्बई में याद की विद्यालय जीवन की मधुर स्मृतियाँ

आदर्श विद्या मन्दिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, भीनमाल के पूर्व विद्यार्थियों के द्वारा 29-30 जून 2019 को कम्पोलियन रिसोर्ट, खोपोली (मुम्बई) में दो दिवसीय विशाल एवं भव्य समागम का आयोजन किया गया। यह एक सामान्य कार्यक्रम न हो कर 15 से 25 वर्ष पूर्व विद्या मन्दिरों में छात्र रहे व वर्तमान सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठित क्षेत्रों के अग्रणी सहपाठियों को मिलने-मिलाने का एक सुअवसर था। मुम्बई में निवास करने वाले सभी बैच के पूर्व भैयाओं ने टीम बनाकर जिस प्रकार इसके आयोजन की योजनाबद्ध तरीके से रचना की एवं बारीकी से सभी बातों को ध्यान में रखते हुए क्रियान्वित किया, उससे उनके विद्या मन्दिर में दिए गए संस्कारों की मजबूत नींव का स्पष्ट प्रभाव दिखा।

वर्ष 1994-95 से लेकर 2002-03 तक दशमीं बोर्ड पास करने वाले भैयाओं तथा उनके साथ छोटी कक्षाओं में रहने वाले एक-एक भैया की सूची बनाकर, उनसे व्यक्तिशः बार-बार सम्पर्क कर उनको कार्यक्रम में आने का आग्रह किया जाना भी कार्यक्रम की सफलता का एक बड़ा कारण रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वासुदेव प्रजापति, सह सचिव, संस्कृति शोध संस्थान, कुरूक्षेत्र, डॉ. श्रवणकुमार मोदी, अध्यक्ष, विद्या भारती जोधपुर प्रान्त, नरेन्द्र आचार्य, प्रधानाचार्य तथा समकालिक आचार्य रमाकान्त दास एवं सत्यजीत चक्रवर्ती की पूरे समय पावन उपस्थिति ने सभी भैयाओं को उत्साहित किया।

भामाशाह आदरणीय सन्देशवर्धन एवं पत्रकार बन्धु, अभिभावक कन्हैयालाल खण्डेलवाल की गरिमापूर्ण उपस्थिति भी प्रेरणादायी रही। पूरे भारत के लगभग सभी राज्यों से 225 भैयाओं ने जो वर्तमान में समाज में प्रतिष्ठित उद्योगपति, व्यवसायी, इंजीनियर, चिकित्सक, सी.ए., प्रशासनिक एवं राजकीय विभाग में सेवारत तथा अन्य क्षेत्रों में विद्या मन्दिरों से प्राप्त संस्कारों के अनुरूप कार्य कर रहे हैं, एकात्मरूप होकर सावन की झड़ियों में अमूल्य आनन्द के पलों को बिताया।

कार्यक्रम की तिथियों के निर्धारण से ले कर, स्थान का चयन, एक-एक भैया की अपने गृह स्थान पर वापस पहुँचने तक की एवं आने-जाने, ठहरने, खान-पान, स्वागत-सत्कार की जो उच्च कोटि की व्यवस्थाएँ की गई वो सदैव सभी के स्मृति-पटल पर अंकित हो गई एवं सदैव हमारी धरोहर रहेगी।

कार्यक्रम में गुरुपूजन, व्यक्तिगत अनुभव का मधुर संस्मरण, संगीतमयी संध्या का आयोजन, व्यवस्थित रूप से सभी के सहयोग एवं सहभागिता से आनन्ददायी और ऐतिहासिक रहा। श्री वासुदेव प्रजापति ने पूर्व छात्रों को सम्बोन्धित करते हुए सामाजिक समरसता एवं विद्या भारती का लक्ष्य स्मरण कराया।

महाराणा प्रताप तथा उनके वनवासी सहयोगियों के गौरव का प्रतीक है ''प्रताप गौरव केन्द्र''

आदर्श शिक्षण संस्थान, जालोर के अंतर्गत चल रहे विद्या मंदिरों की कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के भैया बहिनों की राजस्थान बोर्ड की परीक्षा की समाप्ति के पश्चात् राजस्थान के सांस्कृतिक स्थल, वनवासी जीवन व राणाप्रताप गौरव केन्द्र, उदयपुर के दर्शन की योजना बनी। इस यात्रा के दौरान सिरोही जिले से 32 किलोमीटर की दूरी पर राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद् द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर, देवला में सभी पहुँचे। वहाँ के प्रधानाचार्य ने स्थानीय वनवासियों के जीवन से अवगत कराया। वे सभी छात्रों के दो समूह में आस-पास के पहाड़ी क्षेत्रों में बसे वनवासी बन्धुओं के घर पर गए। लगभग 2 घंटे के अंतर्गत 30 वनवासी घरों के दर्शन किए। दर्शन के पश्चात् भैयाओं को आश्चर्य हुआ कि सभी परिवारों में मात्र दो छोटे-छोटे कमरे बने थे। उसी में लोगों का रहना, खाना व बहुत ही कम सामग्री का संग्रह दिखाई दिया। सौभाग्यवश वहीं पर वनवासी कल्याण आश्रम के वरिष्ठ प्रचारक मान. भगवान सहाय जी से भी भेंट हुई।

तत्पश्चात् राणाप्रताप गौरव केन्द्र (उदयपुर) पहुँचने पर मेवाड़ के गौरवशाली पृष्ठों का जीवंत चित्र व चलचित्रों के माध्यम से देखना, महापुरुषों की मूर्तियों के दर्शन आदि सभी कुछ प्रेरणादायी रहा, लगभग 4 घंटे तक मंत्रमुग्ध होकर सभी उसे देखते रहे। कहीं महाराणा प्रताप की शौर्यगाथा तो कहीं पन्नाधाय का त्याग, अनेकों प्रेरक प्रसंग मानो सजीव रूप से हमारे सामने दिखाई दे रहे हों। यहीं पर एक पुस्तक विक्रय केन्द्र से सभी भैयाओं के लिए एक-एक पुस्तक खरीद कर दी गई। जिससे कि और अच्छे से इन सभी के बारे में समझने में सहायक हो सके।

उदयपुर से भीनमाल लौटते समय महाराणा प्रताप के राज-तिलक का ऐतिहासिक स्थल गोगुन्दा का भी सभी ने दर्शन किया। इस यात्रा में 06 विद्या मंदिरों के 35 भैया, तीन प्रधानाचार्य, तीन आचार्य व जिला सचिव सहित कुल 42 सहभागी यात्री रहे।

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013